

अध्याय - 7 | प्राणियों में संरचनात्मक संगठन

- मेंढक का जनन तंत्र किस प्रकार का होता है?
 - उम्यलिंगी
 - एकललिंगी
 - द्विलिंगी
 - परजीवी(B)

व्याख्या: मेंढक एकललिंगी प्राणी है, अर्थात् नर और मादा में पृथक जनन तंत्र पाए जाते हैं।

- मेंढक के नर जनन तंत्र में कौन-से अंग पाए जाते हैं?
 - अण्डाशय और अण्डवाहिनियाँ
 - वृक्क और अण्डवाहिनी
 - वृषण, शुक्रवाहिनियाँ, अवस्कर
 - हृदय और मूत्रवाहिनी(C)

व्याख्या: नर मेंढक के जनन तंत्र में वृषण, शुक्रवाहिनियाँ, जनन मूत्र वाहिनी, शुक्राशय और अवस्कर पाए जाते हैं।

- नर मेंढक में मूत्र वाहिनी किस प्रकार की होती है?
 - केवल मूत्र वहन करने वाली
 - केवल शुक्राणु वहन करने वाली
 - मूत्र और शुक्राणु दोनों वहन करने वाली
 - केवल अपशिष्ट पदार्थ वहन करने वाली(C)

व्याख्या: नर मेंढक में मूत्र वाहिनी मूत्र और शुक्राणु दोनों का वहन करती है, इसलिए इसे जनन-मूत्र वाहिनी कहा जाता है।

- मादा मेंढक में अण्डाशय कितने होते हैं?
 - एक
 - दो
 - तीन
 - चार(B)

व्याख्या: मादा मेंढक में एक जोड़ी अण्डाशय होते हैं, जो वृक्क के पास उदरगुहा में स्थित रहते हैं।

- मादा मेंढक के अण्डवाहिनियों का कार्य क्या है?
 - अण्डे बनाना
 - अण्डों को बाहर निकालना
 - अण्डों का निषेचन करना
 - अण्डों को अवस्कर तक ले जाना(D)

व्याख्या: मादा मेंढक की अण्डवाहिनियाँ अण्डों को अण्डाशय से अवस्कर तक पहुँचाने का कार्य करती हैं।

- मादा मेंढक में एक बार में कितने अण्डे दिए जा सकते हैं?
 - 200-500
 - 1000-1500
 - 2500-3000
 - 4000-5000(C)

व्याख्या: परिपक्व मादा मेंढक एक बार में लगभग 2500 से 3000 अण्डे देती है।

- मेंढक में निषेचन किस प्रकार का होता है?
 - आंतरिक
 - बाह्य
 - अर्ध-बाह्य
 - कली द्वारा(B)

व्याख्या: मेंढक में निषेचन जल में बाहर होता है, इसलिए यह बाह्य निषेचन कहलाता है।

- मेंढक के जीवन चक्र में कौन-सा लार्वा चरण होता है?
 - सिस्ट
 - भ्रूण
 - टैडपोल
 - प्यूपा(C)

व्याख्या: मेंढक का भ्रूण टैडपोल नामक जलीय लार्वा में विकसित होता है, जो बाद में वयस्क मेंढक में परिवर्तित होता है।

- मेंढक का पारिस्थितिक महत्व क्या है?
 - जल को शुद्ध करना
 - फसलों की रक्षा करना
 - केवल मांसाहारी होना
 - कीटों की वृद्धि करना(B)

व्याख्या: मेंढक कीटों को खाकर फसलों की रक्षा करता है, जिससे पर्यावरणीय संतुलन बना रहता है।

- निम्न में से कौन-सा कथन असत्य है?
 - मेंढक वातावरण का संतुलन बनाए रखता है
 - मेंढक मांसल पादों के कारण आर्थिक रूप से उपयोगी है
 - मेंढक कीटों की संख्या बढ़ाता है
 - मेंढक फसल सुरक्षा में सहायक होता है(C)

व्याख्या: मेंढक कीटों की संख्या को घटाता है, बढ़ाता नहीं; इसलिए विकल्प (C) असत्य है।